अध्याय-I

राज्य के सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों का वित्तीय प्रदर्शन

अध्याय-I

राज्य के सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों का वित्तीय प्रदर्शन

यह अध्याय राज्य के सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (एसपीएसई) के इक्विटी तथा दीर्घावधि ऋणों में सरकारी निवेश के वित्तीय प्रदर्शन को दर्शाने वाले विभिन्न अनुपातों एवं निवेश पर प्रतिफल के सम्बन्ध में एसपीएसई के वित्तीय प्रदर्शन का विश्लेषण प्रस्तुत करता है।

प्रस्तावना

1.1 राज्य सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम (एसपीएसई) शब्द कंपनी अधिनियम, 2013 के अधीन निगमित सरकारी कंपनियों तथा सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कंपनियों एवं संसद अथवा राज्य विधानमण्डल के किसी अधिनियम के अधीन स्थापित सांविधिक निगमों को सम्मिलित करता है।

सरकारी कंपनी

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 2(45) के अधीन सरकारी कंपनी को एक ऐसी कंपनी के रूप में परिभाषित किया गया है, जिसमें समादत्त शेयर पूँजी का कम से कम 51 प्रतिशत केन्द्र सरकार द्वारा, अथवा किसी राज्य सरकार या सरकारों द्वारा अथवा आंशिक रूप से केन्द्र सरकार द्वारा एवं आंशिक रूप से एक या अधिक राज्य सरकारों द्वारा धारित है और इसमें वह कंपनियाँ भी सम्मिलित हैं जो ऐसी किसी सरकारी कंपनी की सहायक है।

सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कंपनी

केन्द्र सरकार द्वारा, अथवा किसी राज्य सरकार या सरकारों द्वारा, अथवा आंशिक रूप से केन्द्र सरकार एवं आंशिक रूप से एक या अधिक राज्य सरकारों द्वारा, प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से स्वामित्व या नियंत्रण वाली किसी अन्य कंपनी[1] को सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कंपनी के रूप में संदर्भित किया गया है।

सांविधिक निगम

किसी निगम को संसद अथवा राज्य विधानमण्डल द्वारा अधिनियमित संविधियों के अधीन स्थापित किया जाता है।

उत्तर प्रदेश में 31 मार्च 2023 को भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएजी) के लेखापरीक्षा क्षेत्राधिकार के अधीन कुल 113 एसपीएसई थे। इन 113 एसपीएसई में से 86 सरकारी कंपनी, 21 सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कंपनी तथा छः सांविधिक निगम थे। कोई एसपीएसई किसी भी स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध नहीं थे। अग्रेतर, इन 113 एसपीएसई में से 72 एसपीएसई[2]

---

[1] कारपोरेट कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अधिसूचित (4 सितम्बर 2014) कंपनी (कठिनाइयों का निवारण) सातवां आदेश, 2014।

[2] 47 सरकारी कंपनी, 19 सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कंपनी, तथा छः सांविधिक निगम।

क्रियाशील थे जबकि 41 एसपीएसई[3] (13 समापनाधीन सहित) निष्क्रिय थे तथा उनका संचालन बंद था। 72 क्रियाशील एसपीएसई को, एसपीएसई के कार्यकलापों की प्रकृति के आधार पर, दो क्षेत्रों अर्थात् ऊर्जा क्षेत्र (12 एसपीएसई) एवं ऊर्जा क्षेत्र के अतिरिक्त (60 एसपीएसई) में वर्गीकृत किया गया है।

लेखापरीक्षा अधिदेश

1.2 सरकारी कंपनियों तथा सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कंपनियों की लेखापरीक्षा सीएजी द्वारा कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(5) से 143(7) के प्रावधानों, सीएजी (कर्तव्यों, शक्तियों और सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 19 एवं उसके अधीन बनाये गए विनियमों के साथ पठित, के अधीन की जाती है। कंपनी अधिनियम, 2013 के अधीन सीएजी चार्टर्ड एकाउंटेंट को सरकारी कंपनियों तथा सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कंपनियों के लिए सांविधिक लेखापरीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं, एवं उन रीति पर निर्देश देते हैं जिनसे लेखाओं की लेखापरीक्षा की जानी है। इसके अतिरिक्त, सीएजी को ऐसी कंपनियों की अनुपूरक लेखापरीक्षा करने का भी अधिकार है।

सांविधिक निगमों को अभिशासित करने वाली संविधियां या तो मात्र सीएजी को उनके लेखाओं की लेखापरीक्षा करने, अथवा सांविधिक निगमों को अभिशासित करने वाली सम्बन्धित संविधियों के अधीन नियुक्त चार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा लेखापरीक्षा के उपरांत सीएजी द्वारा अनुपूरक लेखापरीक्षा करने की अपेक्षा करती हैं।

सरकार तथा विधायिका की भूमिका

1.3 राज्य सरकार एसपीएसई के कार्यों पर अपने प्रशासनिक विभागों के माध्यम से नियंत्रण रखती है। राज्य विधानमण्डल भी एसपीएसई के वार्षिक वित्तीय परिणामों का अनुश्रवण करता है। इसके लिए सरकारी कंपनियों के लेखाओं पर सांविधिक लेखापरीक्षकों के प्रतिवेदनों तथा लेखाओं पर सीएजी की टिप्पणियों सहित वार्षिक प्रतिवेदनों को एवं सांविधिक निगमों के लेखाओं पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदनों को कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 394/395 अथवा सांविधिक निगमों को अभिशासित करने वाली सम्बन्धित संविधियों में जैसा हो, के अधीन राज्य विधानमण्डल के समक्ष रखना आवश्यक होता है।

वित्तीय विवरणों की स्थिति

1.4 वर्ष 2022-23 के लिए 72 क्रियाशील एसपीएसई में से मात्र 10 एसपीएसई ने 30 सितम्बर 2023 तक अपने वित्तीय विवरण प्रस्तुत किये थे। अग्रेतर, चार एसपीएसई अर्थात्, लखनऊ सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड (निगमन की तिथि - 1 फरवरी 2010), आगरा-मथुरा सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड (निगमन की तिथि - 8 जुलाई 2010), वाराणसी सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड (निगमन की तिथि - 15 जून 2010), तथा उत्तर प्रदेश राज्य कृषि एवं ग्रामीण विकास

[3] 39 सरकारी कंपनी तथा दो सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कंपनी।

निगम लिमिटेड (निगमन की तिथि - 4 अक्टूबर 2018) ने अपने प्रथम वित्तीय विवरण भी प्रस्तुत नहीं किये थे। 30 सितम्बर 2023 तक 68 एसपीएसई[4] द्वारा प्रस्तुत वित्तीय विवरणों की क्षेत्र-वार स्थिति **तालिका 1.1** में दी गई है।

तालिका 1.1: क्रियाशील एसपीएसई के वित्तीय विवरणों की क्षेत्र-वार स्थिति

क्षेत्र	एसपीएसई की संख्या	30 सितम्बर 2023 तक प्रस्तुत नवीनतम वित्तीय विवरणों की स्थिति		
		वर्ष 2022-23 के लिए वित्तीय विवरण प्रस्तुत करने वाले एसपीएसई की संख्या	वर्ष 2021-22 के लिए वित्तीय विवरण प्रस्तुत करने वाले एसपीएसई की संख्या	वर्ष 2020-21 या पिछले वर्षों के लिए वित्तीय विवरण प्रस्तुत करने वाले एसपीएसई की संख्या
ऊर्जा क्षेत्र	12	6	5	1
ऊर्जा क्षेत्र के अतिरिक्त	56	4	12	40
योग	**68**	**10**	**17**	**41**

स्रोत: एसपीएसई के नवीनतम अन्तिमीकृत वित्तीय विवरणों के आधार पर संकलित

68 क्रियाशील एसपीएसई की, 30 सितम्बर 2023 तक प्रस्तुत उनके नवीनतम अन्तिमीकृत वित्तीय विवरणों के अनुसार, वित्तीय स्थिति तथा कार्यकलापों के परिणाम **परिशिष्ट 1.1** में दिए गये हैं तथा **तालिका 1.2** में संक्षेपित हैं।

तालिका 1.2: क्रियाशील एसपीएसई[5] की वित्तीय स्थिति तथा कार्यकलापों के परिणामों का सार

विवरण	धनराशि
समादत्त शेयर पूँजी, शेयर आवेदन धनराशि सहित (65 एसपीएसई)[6]	₹ 2,69,767.43 करोड़
ऋण (38 एसपीएसई)	₹ 1,22,425.56 करोड़
टर्नओवर	₹ 92,696.60 करोड़
शुद्ध लाभ, वित्तीय लागत एवं कर के पश्चात् (39 एसपीएसई)	₹ 2,169.50 करोड़
शुद्ध हानि, वित्तीय लागत एवं कर के पश्चात् (27 एसपीएसई)	(-) ₹ 32,393.08 करोड़
शून्य लाभ/हानि, वित्तीय लागत एवं कर के पश्चात् (2 एसपीएसई)	--
कुल परिसम्पत्तियाँ	₹ 5,56,531.58 करोड़
नेट वर्थ	₹ 85,820.10 करोड़

स्रोत: एसपीएसई के नवीनतम अन्तिमीकृत वित्तीय विवरणों के आधार पर संकलित

सकल राज्य घरेलू उत्पाद में एसपीएसई का योगदान

1.5 एसपीएसई के टर्नओवर का सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) से अनुपात राज्य की अर्थव्यवस्था में उनके कार्यकलापों की सीमा को दर्शाता है।

---

[4] चार एसपीएसई को छोड़कर, जिन्होंने 30 सितम्बर 2023 तक अपने प्रथम वित्तीय विवरण भी प्रस्तुत नहीं किये थे।

[5] तालिका 1.2 में दिए गए आँकड़े विभिन्न वर्षों के लिए एसपीएसई के वित्तीय आँकड़ों के आधार पर संकलित किए गए हैं, जैसा कि तालिका 1.1 में इंगित है।

[6] उत्तर प्रदेश जल निगम, उत्तर प्रदेश वन निगम, तथा उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद के प्रकरण में कोई समादत्त पूँजी नहीं थी।

क्षेत्र-वार टर्नओवर[7] के सापेक्ष वर्ष 2022-23 के लिए उत्तर प्रदेश के सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) (₹ 22,57,575 करोड़)[8] में 68 क्रियाशील एसपीएसई के टर्नओवर के अंश का विवरण **तालिका 1.3** में दिया गया है।

तालिका 1.3: क्षेत्र-वार टर्नओवर के सापेक्ष उत्तर प्रदेश के जीएसडीपी में एसपीएसई के टर्नओवर के अंश का विवरण

क्र. सं.	क्षेत्र	एसपीएसई की संख्या	टर्नओवर (₹ करोड़ में)	जीएसडीपी में टर्नओवर का अंश (प्रतिशत में)
1.	ऊर्जा क्षेत्र	12	77,053.32[9]	3.41
2.	ऊर्जा क्षेत्र के अतिरिक्त	56	15,643.28	0.69
योग		**68**	**92,696.60**	**4.10**

स्रोत: एसपीएसई के नवीनतम अन्तिमीकृत वित्तीय विवरणों के आधार पर संकलित

तालिका 1.3 से यह देखा जा सकता है कि वर्ष 2022-23 के लिए इन 68 क्रियाशील एसपीएसई का कुल टर्नओवर (₹ 92,696.60 करोड़) उत्तर प्रदेश के सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) (₹ 22,57,575 करोड़) का 4.10 प्रतिशत था। जीएसडीपी में ऊर्जा क्षेत्र के टर्नओवर का अंश उच्चतम था, जिसका योगदान 3.41 प्रतिशत था, जबकि ऊर्जा क्षेत्र के अतिरिक्त का योगदान मात्र 0.69 प्रतिशत था।

एसपीएसई में निवेश

1.6 एसपीएसई में निवेश, उत्तर प्रदेश सरकार (उ.प्र. सरकार) द्वारा प्रदत्त इक्विटी तथा दीर्घावधि ऋण को सम्मिलित करता है। उ.प्र. सरकार एसपीएसई को वार्षिक बजट के माध्यम से अनुदान एवं सब्सिडी के रूप में वित्तीय सहायता भी प्रदान करती है। 72 क्रियाशील एसपीएसई में किए गए निवेश की आगामी प्रस्तरों में चर्चा की गई है।

एसपीएसई में उ.प्र. सरकार की हिस्सेदारी

1.7 उ.प्र. सरकार द्वारा 31 मार्च 2023 तक 72 क्रियाशील एसपीएसई में इक्विटी तथा दीर्घावधि ऋण के रूप में किए गए क्षेत्र-वार निवेश का विवरण **तालिका 1.4** में दिया गया है।

---

[7] 30 सितम्बर 2023 तक प्राप्त एसपीएसई के नवीनतम अन्तिमीकृत वित्तीय विवरणों के अनुसार।

[8] सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रकाशित आँकड़ों के अनुसार।

[9] उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (विद्युत वितरण कंपनियों की नियंत्री कंपनी) के टर्नओवर को छोड़कर, क्योंकि इसका टर्नओवर विद्युत वितरण कंपनियों का विद्युत क्रय होता है, जिसको विद्युत वितरण कंपनियों द्वारा आगे विक्रय किया जाता है।

तालिका 1.4: उ.प्र. सरकार द्वारा 31 मार्च 2023 तक एसपीएसई में निवेश का विवरण

(₹ करोड़ में)

क्षेत्र	एसपीएसई की संख्या	कुल निवेश			उ.प्र. सरकार द्वारा निवेश		
		इक्विटी	दीर्घावधि ऋण	योग	इक्विटी	दीर्घावधि ऋण	योग
ऊर्जा क्षेत्र	12	2,56,815.30	1,13,418.40	3,70,233.70	1,57,818.01	64.65	1,57,882.66
ऊर्जा क्षेत्र के अतिरिक्त	60	25,713.99	16,821.20	42,535.19	11,500.47	4,949.91	16,450.38
योग	**72**	**2,82,529.29**	**1,30,239.60**	**4,12,768.89**	**1,69,318.48**	**5,014.56**	**1,74,333.04**

स्रोत: एसपीएसई द्वारा उपलब्ध करायी गई सूचना के आधार पर संकलित

तालिका 1.4 से यह देखा जा सकता है कि उ.प्र. सरकार ने एसपीएसई में ₹ 1,74,333.04 करोड़ (इक्विटी - ₹ 1,69,318.48 करोड़ तथा दीर्घावधि ऋण - ₹ 5,014.56 करोड़) का निवेश किया था, जो इन एसपीएसई में कुल निवेश का 42 प्रतिशत है। अग्रेतर, देखा जा सकता है की उ.प्र. सरकार द्वारा किए गए कुल निवेश का 91 प्रतिशत ऊर्जा क्षेत्र के एसपीएसई में किया गया था।

अग्रेतर, 31 मार्च 2022 एवं 31 मार्च 2023 को 72 क्रियाशील एसपीएसई में इक्विटी तथा दीर्घावधि ऋण में निवेश **तालिका 1.5** में दिया गया है।

तालिका 1.5: एसपीएसई में इक्विटी तथा दीर्घावधि ऋण में निवेश का विवरण

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2022 तक			31 मार्च 2023 तक		
	इक्विटी	दीर्घावधि ऋण	योग	इक्विटी	दीर्घावधि ऋण	योग
राज्य सरकार	1,56,855.64	4,023.07	1,60,878.71	1,69,318.48	5,014.56	1,74,333.04
केन्द्र सरकार	4,103.89	812.00	4,915.89	4,159.10	979.03	5,138.13
अन्य[10]	99,136.09	1,32,345.00	2,31,481.09	1,09,051.71	1,24,246.01	2,33,297.72
योग	**2,60,095.62**	**1,37,180.07**	**3,97,275.69**	**2,82,529.29**	**1,30,239.60**	**4,12,768.89**
कुल निवेश में उ.प्र. सरकार का अंश (प्रतिशत में)	60.31	2.93	40.50	59.93	3.85	42.24

स्रोत: एसपीएसई द्वारा उपलब्ध करायी गई सूचना के आधार पर संकलित

तालिका 1.5 से यह देखा जा सकता है कि एसपीएसई में कुल निवेश, 31 मार्च 2022 को ₹ 3,97,275.69 करोड़ से बढ़कर 31 मार्च 2023 को ₹ 4,12,768.89 करोड़ हो गया। इसमें उ.प्र. सरकार द्वारा ₹ 12,462.84 करोड़ की इक्विटी तथा ₹ 991.49 करोड़ का दीर्घावधि ऋण का निवेश सम्मिलित है।

वर्ष 2021-22 से 2022-23 की अवधियों की समाप्ति पर एसपीएसई में कुल निवेश के स्रोतों का वर्ष-वार विभाजन नीचे **चार्ट 1.1** में दर्शाया गया है:

[10] इसमें एसपीएसई एवं स्वायत्त निकायों द्वारा किया गया निवेश सम्मिलित है।

चार्ट 1.1: एसपीएसई में कुल निवेश के स्रोत

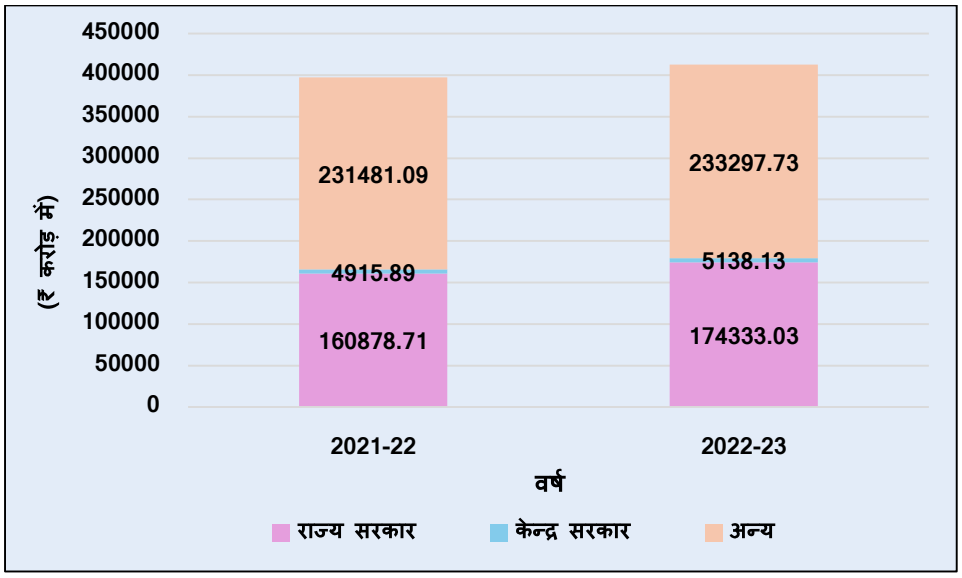

स्रोत: एसपीएसई द्वारा उपलब्ध करायी गई सूचना के आधार पर संकलित

उ.प्र. सरकार द्वारा इक्विटी में निवेश

1.8 उ.प्र. सरकार ने 2021-22 से 2022-23 के दो वर्षों के दौरान 12 एसपीएसई में ₹ 24,795.13 करोड़ की धनराशि इक्विटी के रूप में निवेश की। उ.प्र. सरकार द्वारा एसपीएसई में किया गया इक्विटी निवेश वर्ष 2021-22 में ₹ 12,332.29 करोड़ से बढ़कर वर्ष 2022-23 में ₹ 12,462.84 करोड़ हो गया। अग्रेतर, 2021-22 एवं 2022-23 के दो वर्षों के दौरान उ.प्र. सरकार द्वारा किया गया इक्विटी निवेश, एसपीएसई-वार **तालिका 1.6** में दिया गया है।

तालिका 1.6: वर्ष 2021-22 एवं 2022-23 के दौरान उ.प्र. सरकार द्वारा एसपीएसई-वार इक्विटी निवेश का विवरण

(₹ करोड़ में)

क्र. सं.	एसपीएसई का नाम	इक्विटी निवेश		
		2021-22	2022-23	योग
1.	उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड	2,035.05	1,522.32	3,557.37
2.	उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड	1,066.87	1,277.25	2,344.12
3.	उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड	7,772.14	7,413.24	15,185.38
4.	नोएडा मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड	387.57	25.00	412.57
5.	उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम	9.05	220.00	229.05
6.	नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड	222.88	1,102.79	1,325.67
7.	उत्तर प्रदेश मेडिकल सप्लाइज कॉर्पोरेशन लिमिटेड	0.68	2.49	3.17
8.	बरेली स्मार्ट सिटी लिमिटेड	-	185.75	185.75
9.	यूपी मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड	543.05	714.00	1,257.05
10.	कानपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड	0.25	-	0.25
11.	मुरादाबाद स्मार्ट सिटी लिमिटेड	50.00	-	50.00
12.	प्रयागराज स्मार्ट सिटी लिमिटेड	244.75	-	244.75
योग		**12,332.29**	**12,462.84**	**24,795.13**

स्रोत: एसपीएसई द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना के आधार पर संकलित

तालिका 1.6 से यह देखा जा सकता है कि अधिकतम इक्विटी निवेश ऊर्जा क्षेत्र के तीन एसपीएसई अर्थात्, उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (61 प्रतिशत), उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (14 प्रतिशत) तथा उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (9 प्रतिशत) में किया गया था।

एसपीएसई को प्रदान किए गए ऋण

1.9 एसपीएसई द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना के आधार पर, 37 क्रियाशील एसपीएसई के पास 31 मार्च 2022 को ₹ 1,37,180.07 करोड़ के विरुद्ध 31 मार्च 2023 को कुल ₹ 1,30,239.60 करोड़ के दीर्घावधि ऋण बकाया थे। इसमें से उ.प्र. सरकार से प्राप्त ऋण 31 मार्च 2022 को ₹ 4,023.07 करोड़ (2.93 प्रतिशत) के विरुद्ध 31 मार्च 2023 को ₹ 5,014.56 करोड़ (3.85 प्रतिशत) था।

एसपीएसई के बकाया दीर्घावधि ऋणों की वर्ष-वार स्थिति **चार्ट 1.2** में दर्शायी गयी है।

चार्ट 1.2: एसपीएसई के बकाया दीर्घावधि ऋण

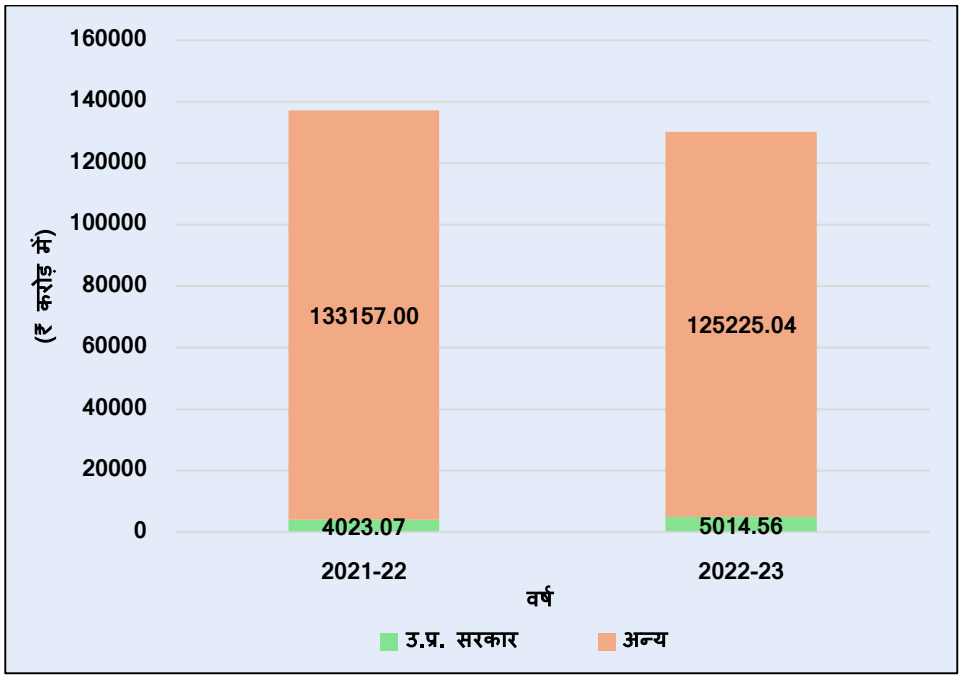

स्रोत: एसपीएसई द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना के आधार पर संकलित

चार्ट 1.2 से यह देखा जा सकता है कि उ.प्र. सरकार द्वारा एसपीएसई को दिया गया दीर्घावधि ऋण का बकाया 31 मार्च 2022 को ₹ 4,023.07 करोड़ से 25 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 31 मार्च 2023 को ₹ 5,014.56 करोड़ हो गया। दूसरी ओर, अन्य स्रोतों से प्राप्त दीर्घावधि ऋण का बकाया 31 मार्च 2022 को ₹ 1,33,157 करोड़ से घटकर 31 मार्च 2023 को ₹ 1,25,225.04 करोड़ हो गया।

अन्य बजटीय सहायता

1.10 एसपीएसई में इक्विटी में निवेश तथा दीर्घावधि ऋण देने के अतिरिक्त, उ.प्र. सरकार, एसपीएसई को वार्षिक बजट के माध्यम से अनुदान एवं सब्सिडी के रूप में वित्तीय सहायता भी प्रदान करती है। साथ ही, उ.प्र. सरकार एसपीएसई को बैंकों तथा वित्तीय संस्थानों से वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए प्रत्याभूति भी प्रदान करती है। 31 मार्च 2023 को समाप्त दो वर्षों के दौरान उ.प्र. सरकार द्वारा एसपीएसई को अनुदान एवं सब्सिडी के रूप में दी गई बजटीय सहायता तथा उ.प्र. सरकार द्वारा एसपीएसई को प्रदान किए गए प्रत्याभूति का विवरण **तालिका 1.7** में संक्षेपित किया गया है।

तालिका 1.7: उ.प्र. सरकार द्वारा एसपीएसई को प्रदान की गई बजटीय सहायता तथा प्रत्याभूति का विवरण

(₹ करोड़ में)

विवरण	2021-22		2022-23	
	एसपीएसई की संख्या	धनराशि	एसपीएसई की संख्या	धनराशि
अनुदान एवं सब्सिडी	19	23,439.82	26	28,318.69
वर्ष के दौरान निर्गत की गई प्रत्याभूति	1	347.09	1	5,242.68
वर्ष के अंत में बकाया प्रत्याभूति प्रतिबद्धतायें	4	37,387.30	5	46,641.91

स्रोत: एसपीएसई द्वारा उपलब्ध करायी गई सूचना के आधार पर संकलित

तालिका 1.7 से यह देखा जा सकता है कि उ.प्र. सरकार द्वारा एसपीएसई को अनुदान एवं सब्सिडी के रूप में बजटीय सहायता वर्ष 2021-22 में ₹ 23,439.82 करोड़ से बढ़कर वर्ष 2022-23 में ₹ 28,318.69 करोड़ हो गई। अग्रेतर, वर्ष के अंत में कुल बकाया प्रत्याभूति प्रतिबद्तायें 31 मार्च 2022 को ₹ 37,387.30 करोड़ से बढ़कर 31 मार्च 2023 को ₹ 46,641.91 करोड़ हो गयीं।

बकाया लेखाओं वाले एसपीएसई में निवेश एवं अन्य बजटीय सहायता

1.11 प्रशासनिक विभागों का यह उत्तरदायित्व होता है कि वे एसपीएसई के कार्यकलापों का निरीक्षण करें और यह सुनिश्चित करें कि एसपीएसई द्वारा अपने लेखाओं को निर्दिष्ट अवधि के अंदर अन्तिमीकृत एवं अंगीकृत किया जा रहा है। सम्बन्धित प्रधान महालेखाकार/महालेखाकार द्वारा बकाया लेखाओं की स्थिति के बारे में सम्बन्धित प्रशासनिक विभागों को नियमित[11] रूप से अवगत कराया जाता है।

उ.प्र. सरकार ने 72 क्रियाशील एसपीएसई में से 30 एसपीएसई को ₹ 10,846.19 करोड़ (इक्विटी: ₹ 4,560.68 करोड़; दीर्घावधि ऋण: ₹ 1,107.15 करोड़; अनुदान: ₹ 4,387.07 करोड़; एवं सब्सिडी: ₹ 791.29 करोड़) की बजटीय सहयता उस अवधि में दी जिस अवधि के दौरान

[11] त्रैमासिक आधार पर।

उनके लेखे बकाया थे। बकाया लेखाओं वाले अवधि के दौरान उ.प्र. सरकार द्वारा किए गए निवेश और प्रदान की गई अन्य बजटीय सहायता का एसपीएसई-वार विवरण **परिशिष्ट 1.2** में दिया गया है। अन्तिमीकरण एवं उसके अनुवर्ती लेखापरीक्षा के अभाव में यह सुनिश्चित नहीं किया जा सकता कि जिस उद्देश्य के लिए धनराशि निवेशित/प्रदत्त की गई थी, वह उद्देश्य प्राप्त हुआ। इस प्रकार, इन एसपीएसई में उ.प्र. सरकार द्वारा किए गए निवेश/अन्य बजटीय सहायता राज्य विधानमण्डल के निरीक्षण से बाहर रहे।

उ.प्र. सरकार के वित्त लेखाओं से मिलान

1.12 एसपीएसई के अभिलेखों के अनुसार इक्विटी, दीर्घावधि ऋण तथा बकाया प्रत्याभूतियों से सम्बन्धित आँकड़े, उ.प्र. सरकार के वित्त लेखाओं में दर्शाए गए आँकड़ो के समान होने चाहिए। यदि, आँकड़े समान न हो तो सम्बन्धित एसपीएसई तथा उ.प्र. सरकार के वित्त विभाग को अंतर का मिलान करना चाहिए।

लेखापरीक्षा ने पाया कि 31 मार्च 2023 को, 72 क्रियाशील एसपीएसई में से 44 एसपीएसई में, एसपीएसई के अभिलेखों और वित्त लेखोंओं के अनुसार इक्विटी, दीर्घावधि ऋण तथा बकाया प्रत्याभूतियों के आँकड़ों में अंतर था। इसका विवरण **परिशिष्ट 1.3** में दिया गया है एवं **तालिका 1.8** में संक्षेपित है।

तालिका 1.8: एसपीएसई के अभिलेखों के सापेक्ष उ.प्र. सरकार के वित्त लेखाओं के अनुसार इक्विटी, ऋणों तथा बकाया प्रत्याभूतियों का विवरण

(₹ करोड़ में)

किस सम्बन्ध में बकाया	एसपीएसई के अभिलेखों के अनुसार धनराशि	वित्त लेखोंओं के अनुसार धनराशि
इक्विटी[12]	1,69,237.72	1,62,252.55
दीर्घावधि ऋण	5,014.56	3,606.78
बकाया प्रत्याभूतियाँ	58,803.39	1,31,221.14

स्रोत: एसपीएसई द्वारा उपलब्ध करायी गई सूचना तथा वर्ष 2022-23 के लिए वित्त लेखाओं के आधार पर संकलित

निष्क्रिय एसपीएसई का परिसमापन

1.13 वर्ष 2022-23 के दौरान, एक निष्क्रिय एसपीएसई (सदर्न-यूपी पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड) को कार्यालय कंपनी रजिस्ट्रार, कारपोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा कंपनियों के रजिस्टर से काट (मई 2022) दिया गया तथा एसपीएसई को भंग कर दिया गया।

अग्रेतर, 31 मार्च 2023 को राज्य में 41 निष्क्रिय एसपीएसई थे जिन्होंने अपना संचालन बंद कर दिया था। इनमें से 13 एसपीएसई समापनाधीन थीं। शेष 28 एसपीएसई में उनके नवीनतम अन्तिमीकृत वितीय विवरणों तथा एसपीएसई द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना के अनुसार ₹ 1,074.36 करोड़ (उ.प्र. सरकार

[12] समादत्त पूँजी, शेयर आवेदन धनराशि सहित।

- ₹ 515.02 करोड़[13] और अन्य - ₹ 559.34 करोड़[14]) का निवेश था। उ.प्र. सरकार को इन एसपीएसई के सम्बन्ध में तात्कालिक एवं उचित कार्रवाई करनी चाहिए।

ऋणों का विश्लेषण

1.14 एसपीएसई द्वारा 30 सितम्बर 2023 तक प्रस्तुत नवीनतम अन्तिमीकृत वित्तीय विवरणों के अनुसार, 38 क्रियाशील एसपीएसई के पास कुल ₹ 1,22,425.56 करोड़ के दीर्घावधि ऋण बकाया थे, जैसा कि **परिशिष्ट 1.1** में वर्णित है। एसपीएसई द्वारा उ.प्र. सरकार, बैंकों तथा अन्य वित्तीय संस्थाओं से लिए गये ऋणों को चुकाने की क्षमता का आकलन करने के लिए इन एसपीएसई के ऋणों का विश्लेषण किया गया। इसका आकलन ब्याज व्याप्ति अनुपात तथा कुल परिसम्पत्तियों के सापेक्ष दीर्घावधि ऋण के अनुपात के आधार पर किया गया। अग्रेतर, उ.प्र. सरकार के ऋणों पर बकाया ब्याज का आयु-वार विश्लेषण भी किया गया। विश्लेषण के परिणामों की चर्चा आगामी प्रस्तरों में की गई है।

ब्याज व्याप्ति अनुपात

1.15 ब्याज व्याप्ति अनुपात का प्रयोग किसी संस्था के बकाया ऋण पर ब्याज का भुगतान करने की क्षमता के आकलन के लिए किया जाता है और इसकी गणना संस्था की ब्याज एवं कर पूर्व आय (ईबीआईटी) को उसी अवधि के ब्याज व्यय से विभाजित कर की जाती है। अनुपात जितना कम होगा, संस्था की ऋण पर ब्याज का भुगतान करने की क्षमता उतनी ही कम होगी। एक से कम ब्याज व्याप्ति अनुपात यह इंगित करता है कि संस्था अपने ब्याज पर व्यय को पूर्ण करने के लिए पर्याप्त आय सृजित नहीं कर रही है। 25 एसपीएसई[15], जिनके पास अपने नवीनतम अन्तिमीकृत वित्तीय विवरणों के अनुसार बकाया ऋण तथा वित्तीय लागत थे, का ब्याज व्याप्ति अनुपात का विवरण **तालिका 1.9** में दिया गया है।

तालिका 1.9: एसपीएसई का ब्याज व्याप्ति अनुपात

एसपीएसई का प्रकार	एसपीएसई की संख्या जिनके पास बकाया ऋण तथा वित्तीय लागत थे	ब्याज (₹ करोड़ में)	ब्याज एवं कर पूर्व आय (ईबीआईटी) (₹ करोड़ में)	एक के बराबर या उससे अधिक ब्याज व्याप्ति अनुपात वाले एसपीएसई की संख्या	एक से कम ब्याज व्याप्ति अनुपात वाले एसपीएसई की संख्या
सरकारी कंपनियाँ	22	12,326.52	-3,388.90	11	11
सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कंपनियाँ	1	0.07	0.61	1	-
सांविधिक निगम	2	52.90	-180.40	1	1
योग	**25**	**12,379.49**	**-3,568.69**	**13**	**12**

स्रोत: एसपीएसई के नवीनतम अन्तिमीकृत वित्तीय विवरणों के आधार पर संकलित

[13] इक्विटी - ₹ 291.67 करोड़ एवं दीर्घावधि ऋण - ₹ 223.35 करोड़।

[14] इक्विटी - ₹ 506.74 करोड़ एवं दीर्घावधि ऋण - ₹ 52.60 करोड़।

[15] शेष 13 एसपीएसई के पास बकाया ऋण होने के बावजूद भी वर्ष के दौरान की कोई वित्तीय लागत नहीं थी।

तालिका 1.9 से यह देखा जा सकता है कि 13 एसपीएसई का ब्याज व्याप्ति अनुपात एक से अधिक था, जो यह इंगित करता है कि वे अपनी ब्याज बाध्यताओं के भुगतान के लिए पर्याप्त आय सृजित कर रहे थे। यद्यपि, 12 एसपीएसई का ब्याज व्याप्ति अनुपात एक से कम था, जो यह इंगित करता है कि वे अपनी ब्याज बाध्यताओं के भुगतान के लिए पर्याप्त आय सृजित नहीं कर सके।

दीर्घावधि ऋण दायित्वों को पूर्ण करने हेतु परिसम्पत्तियों की पर्याप्तता

1.16 कुल परिसम्पत्तियों के सापेक्ष दीर्घावधि ऋण का अनुपात एक ऐसी विधि है जिसका प्रयोग यह निर्धारित करने के लिए किया जाता है कि क्या कोई संस्था शोधनक्षम बनी रह सकती है। संस्था को शोधनक्षम माने जाने के लिए, एक संस्था की परिसम्पत्तियों का मूल्य उसके दीर्घावधि ऋणों के योग से अधिक होना चाहिए। नवीनतम अन्तिमीकृत वित्तीय विवरणों के अनुसार, 38 एसपीएसई में कुल परिसम्पत्तियों के मूल्य द्वारा दीर्घावधि ऋणों का कवरेज **तालिका 1.10** में दिया गया है।

तालिका 1.10: एसपीएसई की कुल परिसम्पत्तियों द्वारा दीर्घावधि ऋण के कवरेज का विवरण

एसपीएसई का प्रकार	सकारात्मक कवरेज				ऋणात्मक कवरेज			
	एसपीएसई की संख्या	दीर्घावधि ऋण (₹ करोड़ में)	कुल परिसम्पत्तियाँ (₹ करोड़ में)	कुल परिसम्पत्तियों का कुल दीर्घावधि ऋणों के सापेक्ष अनुपात	एसपीएसई की संख्या	दीर्घावधि ऋण (₹ करोड़ में)	कुल परिसम्पत्तियाँ (₹ करोड़ में)	कुल परिसम्पत्तियों का कुल दीर्घावधि ऋणों के सापेक्ष अनुपात
सरकारी कंपनियाँ	28	1,16,801.06	3,07,760.31	2.63	2	103.89	45.57	0.44
सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कंपनियाँ	4	3,616.59	3,652.68	1.01	-	-	-	-
सांविधिक निगम	4	1,904.02	71,667.62	37.64	-	-	-	-
योग	**36**	**1,22,321.67**	**3,83,080.61**	**3.13**	**2**	**103.89**	**45.57**	**0.44**

स्रोत: एसपीएसई के नवीनतम अन्तिमीकृत वित्तीय विवरणों के आधार पर संकलित

तालिका 1.10 से यह देखा जा सकता है कि 38 एसपीएसई में से 36 एसपीएसई की कुल परिसम्पत्तियों का मूल्य उनके बकाया दीर्घावधि ऋणों से अधिक था, जो उनके ऋण बाध्यताओं के सापेक्ष परिसम्पत्तियों की सुदृढ़ स्थिति को इंगित करता है। यद्यपि, दो एसपीएसई अर्थात्, उत्तर प्रदेश स्टेट स्पिनिंग कंपनी लिमिटेड तथा उत्तर प्रदेश (मध्य) गन्ना बीज एवं विकास निगम लिमिटेड की कुल परिसम्पत्तियाँ उनके बकाया दीर्घावधि ऋणों से कम थीं।

ब्याज प्रभार का शोधन और मूलधन का पुनर्भुगतान

1.17 38 एसपीएसई, जिन पर उनके नवीनतम अन्तिमीकृत वित्तीय विवरणों के अनुसार ऋण दायित्व थे, में से छः एसपीएसई, जैसा की **तालिका 1.11** में दिया गया है, ने नवीनतम अन्तिमीकृत वित्तीय विवरणों पर सांविधिक लेखापरीक्षकों के प्रतिवेदन के अनुसार ऋण (मूलधन/ब्याज प्रभार) के शोधन में चूक किया।

तालिका 1.11: एसपीएसई जिन्होंने ऋण के शोधन में चूक की का विवरण

(₹ करोड़ में)

क्र. सं.	एसपीएसई का नाम	ऋण का स्रोत	नवीनतम अन्तिमीकृत वित्तीय विवरणों का वर्ष	चूक की धनराशि
1.	उत्तर प्रदेश जल विद्युत निगम लिमिटेड	उ.प्र. सरकार	2021-22	64.65
2.	उत्तर प्रदेश स्टेट एग्रो इंडस्ट्रियल कॉर्पोरेशन लिमिटेड	बैंक	2010-11	2.28
3.	उत्तर प्रदेश स्माल इंडस्ट्रीज कॉर्पोरेशन लिमिटेड	उ.प्र. सरकार	2011-12	0.21
4.	उत्तर प्रदेश हस्तशिल्प एवं विपणन विकास निगम लिमिटेड	उ.प्र. सरकार	2008-09	0.02
5.	उत्तर प्रदेश (मध्य) गन्ना बीज एवं विकास निगम लिमिटेड	उत्तर प्रदेश शुगर स्पेशल फण्ड	2017-18	1.30
6.	श्रीट्रॉन इण्डिया लिमिटेड	उ.प्र. सरकार	2021-22	0.80
योग				**69.26**

स्रोत: सांविधिक लेखापरीक्षकों के प्रतिवेदन के आधार पर संकलित

तालिका 1.11 से यह देखा जा सकता है कि ऋण के शोधन में चूक की अधिकतम धनराशि (कुल चूक धनराशि का 93 प्रतिशत) उत्तर प्रदेश जल विद्युत निगम लिमिटेड से सम्बन्धित थी।

उ.प्र. सरकार के ऋणों पर बकाया ब्याज का आयु-वार विश्लेषण

1.18 एसपीएसई द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना के आधार पर, 31 मार्च 2023 को आठ एसपीएसई के विरुद्ध उ.प्र. सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गये दीर्घावधि ऋण पर ₹ 1,561.90 करोड़ का ब्याज बकाया था। उ.प्र. सरकार के ऋणों पर बकाया ब्याज का आयु-वार विश्लेषण **तालिका 1.12** में दर्शाया गया है।

तालिका 1.12: उ.प्र. सरकार के ऋणों पर बकाया ब्याज का आयु-वार विवरण

(₹ करोड़ में)

क्र. सं.	एसपीएसई का नाम	उ.प्र. सरकार के ऋणों पर कुल बकाया ब्याज	1 वर्ष से कम के लिए बकाया ब्याज	1 वर्ष से 3 वर्षों तक के लिए बकाया ब्याज	3 वर्ष से अधिक समय के लिए बकाया ब्याज
1.	दि प्रदेशीय इंडस्ट्रियल एण्ड इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ यूपी लिमिटेड	36.38	0	0	36.38
2.	उत्तर प्रदेश स्टेट स्पिनिंग कंपनी लिमिटेड	44.91	5.16	14.25	25.50
3.	उत्तर प्रदेश स्टेट हैंडलूम कॉर्पोरेशन लिमिटेड	33.95	0	3.61	30.34
4.	उत्तर प्रदेश जल विद्युत निगम लिमिटेड	267.76	10.60	31.79	225.37
5.	उत्तर प्रदेश स्माल इंडस्ट्रीज कॉर्पोरेशन लिमिटेड	2.53	0.11	0.36	2.06
6.	उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम लिमिटेड	54.50	7.98	19.27	27.25
7.	उत्तर प्रदेश जल निगम	571.38	13.44	40.32	517.62
8.	उत्तर प्रदेश राज्य चीनी निगम लिमिटेड	550.49	128.65	361.43	60.41
योग		**1,561.90**	**1,65.94**	**471.03**	**924.93**

स्रोत: एसपीएसई द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना के आधार पर संकलित

तालिका 1.12 से यह देखा जा सकता है कि तीन वर्ष से अधिक के बकाया ब्याज का मुख्य भाग तीन एसपीएसई अर्थात् उत्तर प्रदेश जल निगम, उत्तर प्रदेश जल विद्युत निगम लिमिटेड तथा उत्तर प्रदेश राज्य चीनी निगम लिमिटेड से सम्बन्धित था।

एसपीएसई की तरलता का विश्लेषण

1.19 चालू अनुपात एक तरलता अनुपात है जो किसी संस्था द्वारा अपनी अल्पावधि बाध्यताओं अथवा उन बकायों को जो एक वर्ष के अंदर देय हो के भुगतान की योग्यता को मापता है। यह संस्था की चालू परिसम्पातियों की तुलना उसके चालू दायित्वों से करता है। यह किसी संस्था की अल्पावधि शोधन क्षमता का एक उपयोगी मापक है। एक से कम चालू अनुपात यह इंगित करता है कि संस्था की अल्पावधि बाध्यताएं उसकी अल्पावधि परिसम्पत्तियों से अधिक हैं, और वह अपनी उपलब्ध चालू परिसम्पत्तियों से ऐसे बकाये का भुगतान करने में सक्षम नहीं है। एक से अधिक चालू अनुपात यह इंगित करता है कि संस्था के पास अपनी अल्पावधि बाध्यताओं को पूर्ण करने हेतु पर्याप्त अल्पावधि परिसम्पत्तियाँ हैं। चालू अनुपात का सूत्र है:

$$\text{चालू अनुपात} = \frac{\text{चालू परिसम्पत्तियाँ}}{\text{चालू दायित्व}}$$

लेखापरीक्षा ने 68 क्रियाशील एसपीएसई[16] के नवीनतम अन्तिमीकृत वित्तीय विवरणों के आधार पर चालू अनुपात का विश्लेषण किया और पाया कि वर्ष के अंत पर 56 एसपीएसई का चालू अनुपात एक से अधिक था, जो यह इंगित करता है कि इन एसपीएसई के पास अपनी अल्पावधि बाध्यताओं को पूर्ण के लिए पर्याप्त अल्पावधि परिसम्पत्तियाँ थीं। यद्यपि, 12 एसपीएसई का चालू अनुपात एक से कम था, जो यह इंगित करता है कि इन एसपीएसई के पास अपनी अल्पावधि बाध्यताओं को पूर्ण करने के लिए पर्याप्त अल्पावधि परिसम्पत्तियाँ नहीं थीं। एक से कम चालू अनुपात वाले एसपीएसई का विवरण **तालिका 1.13** में दिया गया है।

तालिका 1.13: एक से कम चालू अनुपात वाले एसपीएसई का विवरण

क्र. सं.	एसपीएसई का नाम	नवीनतम अन्तिमीकृत वित्तीय विवरणों का वर्ष	चालू परिसम्पत्तियाँ (₹ करोड़ में)	चालू दायित्व (₹ करोड़ में)	चालू अनुपात
1.	दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड	2022-23	18,172.42	18,701.88	0.97
2.	कानपुर विद्युत आपूर्ति कंपनी लिमिटेड	2022-23	3,483.14	3,817.84	0.91
3.	यूपीएसआईडीसी पावर कंपनी लिमिटेड	2013-14	0.00[17]	0.20	0.01
4.	उत्तर प्रदेश स्टेट एग्रो इंडस्ट्रियल कॉर्पोरेशन लिमिटेड	2010-11	368.36	376.61	0.98

[16] चार एसपीएसई को छोड़कर, जिन्होंने अपने प्रथम वित्तीय विवरण प्रस्तुत नहीं किये थे।
[17] ₹ 27,915।

क्र. सं.	एसपीएसई का नाम	नवीनतम अन्तिमीकृत वित्तीय विवरणों का वर्ष	चालू परिसम्पत्तियाँ (₹ करोड़ में)	चालू दायित्व (₹ करोड़ में)	चालू अनुपात
5.	उत्तर प्रदेश ड्रग्स एण्ड फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड	2009-10	4.73	24.35	0.19
6.	उत्तर प्रदेश स्टेट स्पिनिंग कंपनी लिमिटेड	2018-19	38.85	89.44	0.43
7.	दि प्रदेशीय इंडस्ट्रियल एण्ड इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ यूपी लिमिटेड	2020-21	68.76	281.47	0.24
8.	मेरठ सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड	2017-18	0.95	1.08	0.88
9.	कानपुर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड	2017-18	2.46	8.70	0.28
10.	इलाहाबाद सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड	2019-20	0.62	6.69	0.09
11.	नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड	2019-20	4.21	5.86	0.72
12.	उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम	2020-21	1,525.82	1,801.00	0.85

स्रोत: एसपीएसई के नवीनतम अन्तिमीकृत वित्तीय विवरणों के आधार पर संकलित

एसपीएसई में निवेश पर प्रतिफल

1.20 एसपीएसई में निवेश पर प्रतिफल का आकलन इक्विटी पर प्रतिफल तथा नियोजित पूँजी पर प्रतिफल जैसे अनुपातों का प्रयोग कर किया गया। अग्रेतर, लाभ अर्जित करने वाले एसपीएसई द्वारा लाभांश के भुगतान का भी विश्लेषण किया गया। विश्लेषण के परिणामों पर चर्चा आगामी प्रस्तरों में की गई है।

इक्विटी पर प्रतिफल

1.21 इक्विटी पर प्रतिफल (आरओई) वित्तीय प्रदर्शन का एक मापक है जो यह आकलन करता है कि प्रबंधन लाभ अर्जन हेतु संस्था के परिसम्पत्तियों का उपयोग कितने प्रभावकारी रूप से करता है। इसकी गणना शुद्ध आय (अर्थात कर पश्चात् शुद्ध लाभ) को शेयरधारकों की निधि से विभाजित कर की जाती है। यह प्रतिशत में व्यक्त की जाती है एवं इसकी गणना ऐसे किसी संस्था के लिए की जा सकती है जहाँ शेयरधारकों की निधि धनात्मक हो।

किसी संस्था के शेयरधारकों की निधि की गणना समादत्त पूँजी व मुक्त संचय, शुद्ध संचयी हानियाँ तथा आस्थगित राजस्व व्ययों को जोड़कर आगणित की जाती है। यह उस धनराशि को प्रदर्शित करता है जो सभी परिसम्पत्तियों का विक्रय कर देने तथा ऋण चुका दिए जाने के पश्चात् संस्था के पणधारियों के लिए बची रहेगी। एक धनात्मक शेयरधारक निधि यह इंगित करती है कि संस्था के पास अपने दायित्वों को पूर्ण करने के लिए पर्याप्त परिसम्पत्तियाँ हैं, जबकि एक ऋणात्मक शेयरधारक निधि का अर्थ है कि दायित्व परिसम्पत्तियों से अधिक हैं।

68 एसपीएसई में से 16 एसपीएसई की शेयरधारकों की निधि ऋणात्मक थी। लेखापरीक्षा ने शेष 52 एसपीएसई के लिए आरओई की गणना उनके नवीनतम अन्तिमीकृत वित्तीय विवरणों के आधार पर की गई और पाया कि 34 एसपीएसई

का आरओई धनात्मक था, 16 एसपीएसई का आरओई[18] ऋणात्मक था, तथा दो एसपीएसई का आरओई[19] 'शून्य' था, जैसा कि **तालिका 1.14** में वर्णित है।

तालिका 1.14: एसपीएसई के इक्विटी पर प्रतिफल का विवरण

एसपीएसई का प्रकार	ऋणात्मक आरओई वाले एसपीएसई की संख्या	'शून्य' आरओई वाले एसपीएसई की संख्या	धनात्मक आरओई वाले एसपीएसई की संख्या	
			10 प्रतिशत तक	10 प्रतिशत से अधिक
सरकारी कंपनियाँ	11	-	11	14
सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कंपनियाँ	4	2	6	0
सांविधिक निगम	1	-	2	1
योग	**16**	**2**	**19**	**15**

स्रोत: एसपीएसई के नवीनतम अन्तिमीकृत वित्तीय विवरणों के आधार पर संकलित

अग्रेतर, उपरोक्त 52 एसपीएसई का क्षेत्र-वार आरओई **तालिका 1.15** में दिया गया है।

तालिका 1.15: क्षेत्र-वार इक्विटी पर प्रतिफल

क्षेत्र	एसपीएसई की संख्या	शुद्ध आय (₹ करोड़ में)	शेयरधारकों की निधि (₹ करोड़ में)	आरओई (प्रतिशत में)
ऊर्जा क्षेत्र	8	-25,055.06	74,709.71	-33.54
ऊर्जा क्षेत्र के अतिरिक्त	44	184.27	22,012.55	0.84
योग	**52**	**-24,870.79**	**96,722.26**	**-25.71**

स्रोत: एसपीएसई के नवीनतम अन्तिमीकृत वित्तीय विवरणों के आधार पर संकलित

तालिका 1.15 से यह देखा जा सकता है कि ऊर्जा क्षेत्र में 33.54 प्रतिशत का ऋणात्मक आरओई था, जबकि ऊर्जा क्षेत्र के अतिरिक्त में आरओई मात्र 0.84 प्रतिशत था।

नेट वर्थ का क्षरण

1.22 नेट वर्थ का तात्पर्य समादत्त पूँजी, तथा मुक्त संचय व अधिशेष के योग से संचित हानियों एवं आस्थगित राजस्व व्ययों को घटाने से है। यह इस बात का मापक है कि संस्था स्वामियों के लिए कितना मूल्यवान है। ऋणात्मक नेट वर्थ यह इंगित करता है कि स्वामियों का सम्पूर्ण निवेश संचित हानियों एवं आस्थगित राजस्व व्ययों के कारण लुप्त हो चुका है।

[18] इन एसपीएसई का आरओई ऋणात्मक था, क्योंकि उनके नवीनतम अन्तिमीकृत वित्तीय विवरणों के अनुसार, इन्हें हानि हुई थी।

[19] आरओई 'शून्य' था, क्योंकि इन एसपीएसई ने अपने नवीनतम अन्तिमीकृत वित्तीय विवरणों के अनुसार न तो लाभ अर्जित किया था और न ही हानि वहन की थी।

68 एसपीएसई[20] की, उनके नवीनतम अन्तिमीकृत वित्तीय विवरणों के आधार पर, समादत्त पूँजी, मुक्त संचय व अधिशेष/संचित हानियाँ, आस्थगित राजस्व व्यय तथा नेट वर्थ **परिशिष्ट 1.1** में वर्णित है एवं **तालिका 1.16** में संक्षेपित है।

तालिका 1.16: एसपीएसई के नेट वर्थ का विवरण

(₹ करोड़ में)

एसपीएसई का प्रकार	समादत्त पूँजी (शेयर आवेदन धनराशि सहित)	मुक्त संचय(+)/ संचित लाभ (+)/ हानियाँ (-)	आस्थगित राजस्व व्यय[21]	नेट वर्थ
सरकारी कंपनियाँ	2,64,033.58	-1,87,972.54	0.18	76,060.86
सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कंपनियाँ	4,560.14	39.22	0.71	4,598.65
सांविधिक निगम	1,173.71	3,990.21	3.33	5,160.59
योग	**2,69,767.43**	**-1,83,943.11**	**4.22**	**85,820.10**

स्रोत: एसपीएसई के नवीनतम अन्तिमीकृत वित्तीय विवरणों के आधार पर संकलित

68 एसपीएसई के नेट वर्थ के विश्लेषण से यह प्रकट हुआ है कि 16 एसपीएसई के नेट वर्थ का उनके नवीनतम अन्तिमीकृत वित्तीय विवरणों के अनुसार पूर्ण रूप से क्षरण हो चुका है। इन एसपीएसई की समादत्त पूँजी, तथा मुक्त संचय व अधिशेष ₹ 26,891.32 करोड़ था, जबकि संचित हानियाँ एवं आस्थगित राजस्व व्यय ₹ 37,979.25 करोड़ था। इन 16 एसपीएसई में से, पाँच एसपीएसई में अधिकतम नेट वर्थ क्षरण देखा गया, जैसा कि **तालिका 1.17** में वर्णित है।

तालिका 1.17: अधिकतम नेट वर्थ क्षरण वाले एसपीएसई का विवरण

क्र. सं.	एसपीएसई का नाम	क्षरण हुआ नेट वर्थ (₹ करोड़ में)
1.	दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड	-6,061.51
2.	उत्तर प्रदेश जल निगम	-1,820.15
3.	कानपुर विद्युत आपूर्ति कंपनी लिमिटेड	-1,755.65
4.	उत्तर प्रदेश वित्तीय निगम	-719.11
5.	दि प्रदेशीय इंडस्ट्रियल एण्ड इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ यूपी लिमिटेड	-241.17

स्रोत: एसपीएसई के नवीनतम अन्तिमीकृत वित्तीय विवरणों के आधार पर संकलित

नियोजित पूँजी पर प्रतिफल

1.23 नियोजित पूँजी पर प्रतिफल (आरओसीई) एक ऐसा अनुपात है जो किसी संस्था की लाभप्रदता तथा उसकी पूँजी के नियोजन की दक्षता को मापता है। आरओसीई की गणना ब्याज एवं कर पूर्व आय (ईबीआईटी) को नियोजित पूँजी[22] द्वारा विभाजित कर की जाती है। 68 एसपीएसई में से, नौ एसपीएसई में

[20] चार एसपीएसई ने अपने प्रथम लेखे प्रस्तुत नहीं किये थे।

[21] आस्थगित राजस्व व्यय को परिशिष्ट 1.1 में अल्प धनराशि होने के कारण वर्णित नहीं किया गया है।

[22] नियोजित पूँजी = समादत्त शेयर पूँजी + मुक्त संचय एवं अधिशेष + दीर्घावधि ऋण - संचित हानियाँ - आस्थगित राजस्व व्यय। आँकड़े एसपीएसई के नवीनतम अन्तिमीकृत वित्तीय विवरणों के अनुसार हैं।

नियोजित पूँजी ऋणात्मक थी। लेखापरीक्षा ने शेष 59 एसपीएसई के आरओसीई की गणना उनके नवीनतम अन्तिमीकृत वित्तीय विवरणों के आधार पर की और पाया कि 41 एसपीएसई का आरओसीई धनात्मक था, 16 एसपीएसई का आरओसीई ऋणात्मक था तथा दो एसपीएसई का आरओसीई 'शून्य' था, जैसा कि **तालिका 1.18** में वर्णित है।

तालिका 1.18: एसपीएसई के नियोजित पूँजी पर प्रतिफल का विवरण

एसपीएसई का प्रकार	ऋणात्मक आरओसीई वाले एसपीएसई की संख्या	'शून्य' आरओसीई वाले एसपीएसई की संख्या	धनात्मक आरओसीई वाले एसपीएसई की संख्या	
			10 प्रतिशत तक	10 प्रतिशत से अधिक
सरकारी कंपनियाँ	11	-	17	14
सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कंपनियाँ	4	2	7	-
सांविधिक निगम	1	-	2	1
योग	**16**	**2**	**26**	**15**

स्रोत: एसपीएसई के नवीनतम अन्तिमीकृत वित्तीय विवरणों के आधार पर संकलित

अग्रेतर, सभी 68 एसपीएसई का क्षेत्र-वार आरओसीई **तालिका 1.19** में वर्णित है।

तालिका 1.19: क्षेत्र-वार नियोजित पूँजी पर प्रतिफल

(₹ करोड़ में)

क्र. सं.	क्षेत्र	एसपीएसई की संख्या	ईबीआईटी	नियोजित पूँजी	आरओसीई (प्रतिशत में)
1.	ऊर्जा क्षेत्र	12	-17,838.09	1,70,259.05	-10.48
2.	ऊर्जा क्षेत्र के अतिरिक्त	56	314.93	37,986.61	0.83
योग		**68**	**-17,523.16**	**2,08,245.66**	**-8.41**

स्रोत: एसपीएसई के नवीनतम अन्तिमीकृत वित्तीय विवरणों के आधार पर संकलित

एसपीएसई में लाभांश भुगतान

1.24 उ.प्र. सरकार द्वारा तैयार (अक्टूबर 2002) लाभांश नीति के अनुसार, लाभ अर्जित करने वाले एसपीएसई को उ.प्र. सरकार द्वारा योगदान किए गये शेयर पूँजी पर न्यूनतम पाँच प्रतिशत के लाभांश का भुगतान करना होगा।

68 एसपीएसई में से, उनके नवीनतम अन्तिमीकृत वित्तीय विवरणों के अनुसार, 39 एसपीएसई ने लाभ अर्जित किया। इन 39 एसपीएसई में से, 10 एसपीएसई में संचित हानियाँ थी, तथा सात एसपीएसई[23] में उ.प्र. सरकार ने शेयर पूँजी में कोई योगदान नहीं किया था। इस प्रकार, 22 एसपीएसई द्वारा उ.प्र. सरकार को ₹ 243 करोड़[24] का लाभांश का भुगतान करना आवश्यक था। यद्यपि, मात्र

[23] जवाहरपुर विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड, श्रीट्रॉन इण्डिया लिमिटेड, अपट्रॉन पावरट्रॉनिक्स लिमिटेड, अल्मोड़ा मैग्नेसाइट लिमिटेड, डीएमआईसी इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप ग्रेटर नोएडा लिमिटेड, उत्तर प्रदेश वन निगम, तथा उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद।

[24] आठ एसपीएसई के प्रकरण में देय लाभांश को अर्जित लाभ तक सीमित किया गया है।

11 एसपीएसई ने ₹ 8.25 करोड़ का लाभांश घोषित किया। विवरण **तालिका 1.20** में दिया गया है।

तालिका 1.20: एसपीएसई द्वारा देय न्यूनतम लाभांश तथा घोषित लाभांश का विवरण

(₹ करोड़ में)

एसपीएसई का प्रकार	एसपीएसई की संख्या जिन्होंने लाभ अर्जित किया तथा जिनके पास कोई संचित हानियाँ नहीं थी	उ.प्र. सरकार द्वारा किया गया शेयर पूँजी का योगदान	देय लाभांश	लाभांश घोषित करने वाले एसपीएसई की संख्या	घोषित लाभांश
सरकारी कंपनियाँ	18	18,965.94	242.45	10	4.68
सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कंपनियाँ	3	208.25	0.17	-	0
सांविधिक निगम	1	7.60	0.38	1	3.57
योग	**22**	**19,181.79**	**243.00**	**11**	**8.25**

स्रोत: एसपीएसई के नवीनतम अन्तिमीकृत वित्तीय विवरणों के आधार पर संकलित

एसपीएसई की परिचालन दक्षता

1.25 एसपीएसई की परिचालन दक्षता का आकलन उनके द्वारा अर्जित लाभ तथा उनके द्वारा वहन की गयी हानियों का विश्लेषण कर किया गया। अग्रेतर, टर्नओवर के विरुद्ध उनके शुद्ध लाभ के मार्जिन का भी आकलन किया गया। विश्लेषण के परिणामों पर चर्चा आगामी प्रस्तरों में की गई है।

एसपीएसई द्वारा अर्जित लाभ

1.26 नवीनतम अन्तिमीकृत वित्तीय विवरणों के अनुसार, 39 एसपीएसई ने ₹ 2,169.50 करोड़ का लाभ अर्जित किया। छः एसपीएसई जिन्होंने ₹ 100 करोड़ या अधिक का लाभ अर्जित किया था का विवरण **तालिका 1.21** में दिया गया है।

तालिका 1.21: ₹ 100 करोड़ या अधिक का लाभ अर्जित करने वाले एसपीएसई का विवरण

(₹ करोड़ में)

क्र. सं.	एसपीएसई का नाम	नवीनतम अन्तिमीकृत वित्तीय विवरणों का वर्ष	कर पश्चात् शुद्ध लाभ (₹ करोड़ में)	एसपीएसई के कुल लाभ में लाभ का प्रतिशत
1.	पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड	2022-23	991.67	45.71
2.	उत्तर प्रदेश जल विद्युत निगम लिमिटेड	2021-22	275.88	12.72
3.	उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड	2021-22	235.66	10.86
4.	उत्तर प्रदेश राज्य भण्डारण निगम	2020-21	165.53	7.63
5.	उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद	2021-22	144.68	6.67
6.	उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड	2014-15	120.38	5.55
योग			**1,933.80**	**89.14**

स्रोत: एसपीएसई के नवीनतम अन्तिमीकृत वित्तीय विवरणों के आधार पर संकलित

तालिका 1.21 से यह देखा जा सकता है कि 39 एसपीएसई द्वारा अर्जित कुल लाभ (₹ 2,169.50 करोड़) में उपरोक्त वर्णित छः एसपीएसई ने लगभग 89 प्रतिशत का योगदान किया था, जिसमें कुल लाभ का लगभग 46 प्रतिशत योगदान अकेले पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड ने किया था।

एसपीएसई द्वारा वहन की गई हानि

1.27 नवीनतम अंतिमीकृत वित्तीय विवरणों के अनुसार, 27 एसपीएसई ने कुल ₹ 32,393.08 करोड़ की हानि वहन की। सात एसपीएसई जिन्होंने ₹ 100 करोड़ या अधिक की हानि वहन की थी का विवरण **तालिका 1.22** में दिया गया है।

तालिका 1.22: ₹ 100 करोड़ या अधिक की हानि वहन करने वाले एसपीएसई का विवरण

(₹ करोड़ में)

क्र. सं.	एसपीएसई का नाम	नवीनतम अन्तिमीकृत वित्तीय विवरणों का वर्ष	हानि की धनराशि	एसपीएसई की कुल हानि में हानि का प्रतिशत
1.	उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड	2021-22	556.26	1.72
2.	पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड	2022-23	6,610.27	20.41
3.	मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड	2022-23	4,819.92	14.88
4.	दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड	2022-23	5,073.77	15.66
5.	उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड	2022-23	14,572.24	44.99
6.	उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड	2022-23	319.02	0.98
7.	उत्तर प्रदेश जल निगम	2019-20	250.68	0.77
योग			**32,202.16**	**99.41**

स्रोत: एसपीएसई के नवीनतम अन्तिमीकृत वित्तीय विवरणों के आधार पर संकलित

तालिका 1.22 से यह देखा जा सकता है कि 27 एसपीएसई द्वारा वहन की गयी कुल हानि (₹ 32,393.08 करोड़) में उपरोक्त वर्णित सात एसपीएसई ने 99 प्रतिशत से अधिक का योगदान किया था, जिसमें कुल हानि का लगभग 45 प्रतिशत योगदान अकेले उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने किया था।

टर्नओवर के विरुद्ध शुद्ध लाभ का मार्जिन

1.28 टर्नओवर के विरुद्ध शुद्ध लाभ का मार्जिन किसी अवधि के दौरान सृजित लाभ को टर्नओवर के प्रतिशत के रूप में मापता है। यह किसी संस्था के वित्तीय स्वास्थ्य का एक प्रमुख संकेतक है। यह पणधारियों को संस्था की परिचालन दक्षता के निर्धारण में सहायता करता है एवं यह निर्धारित करता है कि क्या संस्था अपने टर्नओवर से पर्याप्त आय सृजित कर रही है। इसकी गणना संस्था के टर्नओवर के सापेक्ष शुद्ध लाभ के प्रतिशत के रूप में की जाती है।

68 एसपीएसई में से, उनके नवीनतम अन्तिमीकृत वित्तीय विवरणों के अनुसार, 27 एसपीएसई ने हानि वहन की थी, दो एसपीएसई ने न तो लाभ और न तो हानि सूचित किया था तथा आठ एसपीएसई ने 'शून्य' टर्नओवर सूचित किया

था। शेष 31 एसपीएसई का टर्नओवर के विरुद्ध शुद्ध लाभ के मार्जिन का विवरण **तालिका 1.23** में दिया गया है।

तालिका 1.23: एसपीएसई के टर्नओवर के विरुद्ध शुद्ध लाभ के मार्जिन का विवरण

एसपीएसई का प्रकार	10 प्रतिशत से कम शुद्ध लाभ के मार्जिन वाले एसपीएसई की संख्या	10 से 20 प्रतिशत के बीच शुद्ध लाभ के मार्जिन वाले एसपीएसई की संख्या	20 प्रतिशत से अधिक शुद्ध लाभ के मार्जिन वाले एसपीएसई की संख्या[25]
सरकारी कंपनियाँ	18	3	5
सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कंपनियाँ	1	-	-
सांविधिक निगम	1	1	2
योग	**20**	**4**	**7**

स्रोत: एसपीएसई के नवीनतम अन्तिमीकृत वित्तीय विवरणों के आधार पर संकलित

अग्रेतर, उपरोक्त 31 एसपीएसई का क्षेत्र-वार टर्नओवर के विरुद्ध शुद्ध लाभ का मार्जिन **तालिका 1.24** में दिया गया है।

तालिका 1.24: टर्नओवर के विरुद्ध क्षेत्र-वार शुद्ध लाभ का मार्जिन

क्षेत्र	एसपीएसई की संख्या	शुद्ध लाभ (₹ करोड़ में)	टर्नओवर (करोड़ रुपए में)	शुद्ध लाभ का मार्जिन (प्रतिशत में)
ऊर्जा क्षेत्र	4	1,503.72	33,917.81	4.43
ऊर्जा क्षेत्र के अतिरिक्त	27	619.91	10,664.57	5.81
योग	**31**	**2,123.63**	**44,582.38**	**4.76**

स्रोत: एसपीएसई के नवीनतम अन्तिमीकृत वित्तीय विवरणों के आधार पर संकलित

[25] 22.22 प्रतिशत तथा 281.05 प्रतिशत के मध्य।